मूल्य - 5 रु.

Tara
बुजुर्गों के लिए...

तारांशु

मासिक
दिसम्बर - 2017
वर्ष 6, अंक 3, पृ.सं. 20

सर्द मौसम में जीवन की खट्टी - मीठी यादें सुनाती ईश्वरी देवी

आनन्द वृद्धाश्रम नवीन परिसर के भवन ढाँचा निर्माण कार्य पूर्ण होने को अग्रसर।
प्रस्तावित उद्घाटन दिनांक : 22 अप्रैल, 2018

आनन्द वृद्धाश्रम नवीन परिसर के निर्माण हेतु योगदान योजना

आनन्द वृद्धाश्रम में वर्तमान में 45 बेड हैं और प्रतिमाह 2 के औसत से जानकारी मांगी जाती है, जो वृद्धाश्रम में रहना चाहते हैं। जगह खाली नहीं होने की वजह से भविष्य में किसी भी बुजुर्ग को निराश नहीं लौटाना पड़े इस विचार के साथ तारा संस्थान ने बैंक लोन लेकर 7000 वर्ग फीट भूमि खरीदी। इस भूमि हेतु हमारे दानदाताओं ने मुक्तहस्त सहयोग किया। आशा है, अब नवीन परिसर निर्माण हेतु भी आप समस्त भामाशाह उसी प्रकार खुले दिल से सहयोग करेंगे।

भवन निर्माण सौजन्य राशि :

भवन निर्माण ''दधीचि''	भवन निर्माण ''कर्ण''	भवन निर्माण ''भामाशाह''
रु. 1,00,000/-	रु. 51,000/-	रु. 21,000/-

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
समाजसेवी, दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तरुल सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

आवरण चित्र
अरविन्द शर्मा

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
आनन्द वृद्धाश्रम नवीन परिसर प्रस्तावित उद्घाटन दिनांक : 22 अप्रैल, 2018	02
अनुक्रमणिका	03
जीवन चलने का नाम	04
दानी	05
प्रश्नावली - 1	06
प्रश्नावली - 2	07
तारा नेत्रालय	08
आनन्द वृद्धाश्रम	09
गौरी योजना / तृप्ति योजना	10
कुछ जरूरतमंद लोगों के पत्र	11
विशेष कार्यक्रम	12
शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर / मस्ती की पाठशाला	13
विनम्र अपील	14
नेत्रालय मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर	15-16
स्वागत	17
धन्यवाद	18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (बाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' की सन्निधि में साथ में संस्थान सचिव श्री दीपेश मित्तल (दाएं)

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

जीवन चलने का नाम

17.11.2017 को निधन के कुछ ही हफ्तों पहले
श्रीमती अम्बा बाई भूले-बिसरे खेलों में भाग लेते हुए

पिछले दो माह से भी कम समय में आनन्द वृद्धाश्रम में पाँच वृद्ध हमें छोड़कर चले गए। कुछ को थोड़ा समय हुआ था कुछ बहुत समय से हमारे साथ थे। अंजली आंटी तो मार्च 2012 यानी कि आनन्द वृद्धाश्रम परिवार का हिस्सा थी। वे अपने पति श्री दिगेन्द्र नाथ जी लहरी के साथ यहाँ आई थी। उनके पति भी दो – ढाई वर्ष पूर्व यहीं पर चल बसे थे। आनन्द वृद्धाश्रम में यह पहला जोड़ा था जो यहाँ रहते हुए ईश्वर के पास गए। विवेकानन्द खरे मुम्बई के एक फुटपाथ से आए जर्जर अवस्था से स्वस्थ हुए थोड़ा अच्छा समय आया तो पता चला कैंसर है, मुझे हमेशा लगता है ''जीवन'' में आकर्षण है ऐसा ही कुछ आकर्षण उनमें भी देखा वो चाहते थे कि उनके कैंसर का इलाज होवे। हम भी तो यहीं चाहते थे कि यदि संभव होवे तो इलाज हो ही। तो बस बिना खर्च की परवाह के उनका ऑपरेशन प्राइवेट हॉस्पीटल में कराया क्योंकि सरकारी में संभव नहीं था। एक महीने से ज्यादा नली के सहारे तरल (Liquid) दिया क्योंकि गले और मुँह का ऑपरेशन हुआ था। विवेक जी भी ऑपरेशन के लगभग 2 साल बाद चले गए। औरी लाल जी, सत्यनारायण जी और अंबा बाई की बात और कभी करेंगे बस ये बता दें कि वे भी नहीं रहे।

प्राणी होने पर जन्म के साथ साथ ही मृत्यु भी एक शाश्वत् सत्य है लेकिन परिवार में किसी बुजुर्ग की मृत्यु होती है तो कितनी बड़ी बात होती है। मेरे दादाजी की मृत्यु के समय तो मैं 15 वर्ष की थी लेकिन दादीजी के साथ बहुत समय बिताया तो उनका जाना तकलीफ देय था। हर परिवार में ऐसा ही होता है कि 10–15 साल में कोई अपना बिछड़ता है और उनका जाना एक सदमा या कभी–कभी गहरी यादें छोड़ जाता है। घर में इतने क्रिया कर्म होते हैं। अब आप जरा सा सोचिए कि जिस घर में साल में 4–5 मृत्यु हो जाए तो कितना दुःख होगा। सबसे तो जुड़ाव नहीं होता लेकिन जो लंबे समय से रह रहे हो उनका जाना कुछ यादें तो छोड़ ही जाता है। मेरे मन में विचार उठ रहे थे कि क्या ये वृद्धाश्रम तकलीफ तो नहीं देगा क्योंकि अभी तो 5½ साल हुए हैं ज्यादा समय होगा तो ज्यादा लोगों की यादें मन में होंगी। जैसे कि अंबाबाई जो कभी थोड़े दिनों पहले ''शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल'' में लट्टू चला रही थीं उन्हें अस्थमा था, 1 साल से हमारे साथ थी। बीमार भी कई बार हुईं लेकिन ठीक हो जाती और इस बार भी मुझे यही लगा कि ठीक हो जाएंगी लेकिन नहीं हुईं। ये जो खयाल मन में आया उस से थोड़ी परेशानी जरूर हुई, पर उसका जवाब भी मन ने ही दे दिया कि समय सब कुछ भूला देता है। परिवार में भी जाने वाले को चाहे अनचाहे भूलकर आगे बढ़ना ही पड़ता है तो वैसा ही यहाँ भी होगा और हाँ जीवन और मृत्यु की सच्चाई अगर देखनी हो तो ''आनन्द वृद्धाश्रम'' सबसे बड़ा उदाहरण है एक दिन एक बुजुर्ग चले गए तो उनका सुबह दाह संस्कार किया गया और शाम में एक दानदाता अपने बच्चे का जन्मदिन वृद्धाश्रम में मना रहे थे। मुझे पढ़ने का शौक है और कुछ अच्छे विचार जब भी पढ़ने को मिले उनमें था कि समभाव रखो यानी सुख दुःख जीवन मृत्यु सब में समान, पढ़कर यहीं सोचती थी कि ऐसा कैसे पॉसिबल है लेकिन ''आनन्द वृद्धाश्रम'' में कुछ कुछ ऐसा ही देख लिया और मैं भी कोशिश करती हूँ कि आनन्द वृद्धाश्रम से किसी का जाना विचलित ना करें।

अंत में यही कि वृद्धाश्रम है और जब 50–60 और बाद में 150–200 बुजुर्ग जब साथ रहेंगे तो प्रतिवर्ष मृत्यु का आंकड़ा भी कुछ न कुछ होगा, बस प्रयास इस बात का कि विदाई सम्मान–जनक होवें और जो भी समय हमारे साथ गुजरे इस विश्वास से कि मेरा कोई है।

कल्पना गोयल

आप दूसरों से जैसे व्यवहार की अपेक्षा करते हैं, वैसा ही व्यवहार स्वयं दूसरों के साथ करें।

दानी

अभी कुछ दिन पहले हमारे दिल्ली के कार्यकर्ता ने एक दानदाता से बात करवाई जो बन रहे नए वृद्धाश्रम के लिए दान देना चाहते थे, उन्होंने मुझसे पूछा कि आपने ये जो नाम दिए हैं भवन निर्माण दधीचि (1,00,000/– दान हेतु), भवन निर्माण कर्ण (51,000/– दान हेतु), भवन निर्माण भामाशाह (21,000/– दान हेतु) उसमें हम कर्ण तो जानते हैं लेकिन भामाशाह और दधीचि नहीं जानते फिर उन्होंने कहा कि आप तारांशु में इनके बारे में तो बताइये। बात मुझे उचित लगी इसलिए भारत के दानियों की चर्चा करते हैं। भारत में वैसे महान लोगों की गणना करें तो अनेको अनेक लोग मिल जाएंगे पर प्राचीन काल से अब तक जो भी दानवीर सुने है उनमें सबसे बड़े दानी ये तीन थे जिनके नाम पर हमने भवन निर्माण के दानदाताओं की योजना बनाई।

ऋषि दधीचि : कहते हैं कि इद्रलोक पर वृत्रासुर नाम के राक्षस ने अधिकार कर लिया था और उसे किसी शस्त्र से नहीं मारा जा सकता था तो देवताओं को ब्रह्माजी ने बताया कि यदि पृथ्वी के एक महान ऋषि दधिची की हड्डियों से शस्त्र बने तो उस से उस राक्षस का संहार होगा। इंद्र बहुत संकोच से उनके पास गए और ऋषि दधिची ने तुरंत समाधी ली और उनके शरीर की हड्डियों से वज्र बना जिससे असुरो का संहार हुआ। अगर प्रेरणा के लिए भी यह कथा मान लें तो विश्व में ऐसा उदाहरण कहाँ मिलेगा जहाँ लोक कल्याण के लिए देह त्याग दी जाए।

कर्ण : कर्ण तो महाभारत के वे महान व्यक्तित्व हैं जिन्हें सब जानते हैं लेकिन जो नहीं जानते उन्हें थोड़ा बता दें। कर्ण कुंती के सबसे बड़े पुत्र थे और वे कवच कुण्डल के साथ पैदा हुए थे उनहें वरदान था कि जब तक कवच कुण्डल धारण रहेंगे उन्हें कोई नहीं मार सकेगा। कर्ण कौरवों की तरफ से लड़ रहे थे और पांडवों में उनकी टक्कर के धनुर्धर उन्हीं के भाई अर्जुन थे जिन्हें इन्द्र का पुत्र कहा जाता है। कर्ण के लिए यह प्रसिद्ध था कि सुबह सूर्य उपासना के बाद उनके द्वार पर जो भी याचक आता उसे वो जो भी मांगे, दे देते थे। इन्द्र भेष बदलकर याचक के रूप में कर्ण के पास गए और कवच कुण्डल मांग लिए। कर्ण को पता था कि ये देने पर उनके प्राण चले जाएँगे पर उन्होंने सहज भाव से कवच कुण्डल दे दिए। और फिर युद्ध में वे अर्जुन के हाथों मारे गए। अपने वचन के लिए जान देने की हिम्मत किसमें होती है?

भामाशाह : महाराणा प्रताप अकबर से लड़ाई लड़ रहे थे। प्रताप की मुट्ठी भर फौज और अकबर की विशाल सेना तो भी लड़ाई थी स्वाभिमान की, स्वतंत्रता की और लड़ी जा रही थी हिम्मत से लेकिन युद्ध बिना पैसे के नहीं होता। प्रताप जंगलों में घूम रहे थे उनका सारा धन खत्म हो गया था ऐसे में एक जैन व्यापारी भामाशाह अपना सारा धन प्रताप के पास ले आए कि सम्मान की लड़ाई चलती रहे। प्रताप की आँख भर आई और उन्होंने भामाशाह को गले लगा लिया। एक ऐसा युद्ध जिसमें जीत लगभग असंभव थी उसके लिए एक व्यापारी अपनी सारी पूंजी यदि दान कर दे ये सिर्फ भारत में ही होता है।

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम के नए भवन के लिए भी हमने दानदाताओं के लिए जो योजना बनाई तो ये तीन नाम स्वतः पसंद बने। मुझे अच्छी तरह पता है कि नाम किसी के लिए महत्वपूर्ण नहीं होता है और इन महान दानदाताओं की बराबरी करना असंभव है, और आप लोग भी इसलिए देते हैं क्योंकि आपकी भावना है किसी के लिए अच्छा करने की बस कोई योजना सामने हो तो अपने बजट को आगे पीछे करके उस योजना से जुड़ जाते। हम भी आपका नाम इसलिए लिखना चाहते है कि उतने बड़े न सही फिर भी बहुतों से अलग हैं आप, तभी तो आपमें तो करुणा का विशेष गुण है और आपकी इसी भावना को सम्मान देने के लिए यह योजना है।

महर्षि दधीचि से देह दान की प्रार्थना करते देवता

भवन निर्माण तेजी से चल रहा है और 22 अप्रैल निर्धारित दिनांक है जब भवन का आप सबके सानिध्य में उद्घाटन करेंगे। भवन की फिनिशिंग में सबसे ज्यादा खर्चे होते हैं और धन की आवश्यकता भी उतनी ही तो आने वाले कुछ माह में इस भवन हेतु आपका छोटा सा सहयोग भी बड़ी मदद होगी।

आपने हमेशा साथ दिया है और देते रहेंगे यही विश्वास है।

दीपेश मित्तल

प्रश्नावली – 1 :

जीवन की संध्या पर कुछ, भूली बिसरी यादें, कुछ सपने।

तारा संस्थान द्वारा संचालित आनन्द वृद्धाश्रम के निवासियों के साथ एक विशेष प्रकार की बातचीत का आयोजन रखा गया जिसमें कुछ चुनिंदा लोगों से निम्न प्रकार के सवाल पूछे गए।

आपका बचपन कैसा था ? खुश या नाखुश ? बचपन में बड़े होकर क्या बनने की सोचते थे ? सपना पुरा हुआ कि नहीं ? हाँ तो कैसा लगा ?ना तो क्या कारण था ? कौन जिम्मेदार (सफलता / असफलता हेतु) : स्वयं, परिवार, समाज, किस्मत या भगवान ? आपका प्रिय शौक / भोजन / खेल / व्यक्ति / मित्र कौन था ? क्या उपरोक्त अभी भी सत्य है ? क्या आपको कोई कभी कोई अत्यधिक दुःख / पीड़ा हुई ?/ कैसे ? क्या अभी भी कोई सपना है जिसे पूरा करना चाहेंगे ? कैसे पूरा करेंगे ? अगर होता है अच्छा लेकिन नहीं हुआ तो क्या महसूस करेंगे ?

इस सवाल – जवाब के सत्र से कुछ मजेदार बातें निकल कर आई :

वृद्धाश्रम वासी नाम : **श्रीमती प्रेम पौद्दार** उम्र : 65
मूल निवासी : कोलकाता आनन्द वृद्धाश्रम में प्रवेश : 14 जून, 2014

मेरा बचपन अत्यंत खुशगवार गुज़रा हम 6 भाई–बहन बहुत चुहलबाजी करते थे। माता–पिता जब भी हमारे सुलाने की कोशिश करते तो हम चुपके से बिस्तर से निकल भागते और घर में पिछवाड़े में स्थित बागीचे में खेलकूद और खूब शरारतें करते थे। बड़ा होकर कुछ विशेष बनने की नहीं सोची जैसा कि पारम्परिक भारतीय बालिकाओं की प्रवृत्ति होती है। बस मात्र यही सोचते थे कि हमारी शादी अच्छे से हो जाए जो कि सत्य ही निकला। जीवन में अनेक उतार – चढ़ाव देखे लेकिन हिम्मत कभी नहीं हारी और व्यक्तियों और समाज से भी भिड़ना पड़ा लेकिन किस्मत ने साथ दिया और आखिरकार जीवन ठीक–ठाक पटरी पर आ गया लेकिन किसी कारण वश अब वृद्धाश्रम में रहना पड़ रहा है जिसका कोई मलाल नहीं है। एक बचपन का मजेदार किस्सा यह है कि उस समय एक गहरी सहेली से ऐसा झगड़ा हुआ कि आज तक फिर बातचीत नहीं हो सकी। पीड़ा : कुछ पारिवारिक पीड़ाएँ हैं जिनका जिक्र नहीं करना चाहूँगी। आज भी एक सपना : छोटे पुत्र की शादी को अच्छे से करवानी है। वह कोलकाता में शेयर बाजार में व्यवसाय करता है। आनन्द वृद्धाश्रम में सब कुछ आनन्द ही आनन्द है, कभी कभार कुछ ऐसे तत्त्व आ जाते हैं जो माहौल खराब कर देते हैं अतएवं कुछ कड़े अनुशासन की आवश्यकता है ताकि लोगों में थोड़ा सा भय रहे।

वृद्धाश्रम वासी नाम : **श्रीमती कविता श्रीवास्तव** उम्र : 64
मूल निवासी : लखनऊ (यू.पी.) आनन्द वृद्धाश्रम में प्रवेश : 1 जनवरी, 2017

बचपन में हम दो भाई–बहन बहुत आनन्द में गुजारते थे। पढ़ने का बहुत शौक था तो यह सोचती थी कि पढ़–लिख कर कुछ बन कर एक अनाथ आश्रम खोलकर समाज के परित्यक्त लोगों की सेवा करूंगी। हिन्दी साहित्य पढ़ने की रुचि से लेखक बनने का विचार भी आता था। किंतु ये सारे सपने धरे के धरे रह गए। कुछ किस्मत, कुछ परिवार आदि के सहयोग की कमी के कारण। मेरी बचपन की एक सहेली उषा जी बहुत धनिष्ट थी लेकिन अब गुज़र गई है। जीवन में कई पीड़ाओं का सामना किया जैसे : दुर्घटना, आँखों की समस्या और शिक्षा में 5 साल का गेप आदि। जीवन के इस मोड़ पर जीने का मन बना हुआ है कई इच्छाएँ अधूरी हैं। ईश्वर शायद उन्हें पूरी करेगा।

वृद्धाश्रम वासी नाम : **श्रीमती कल्पना दाधिच** उम्र : 60
मूल निवासी : बारां – कोटा (राज.) आनन्द वृद्धाश्रम में प्रवेश : 6 जुलाई, 2016

मूलतः बारां, कोटा (राज.) की कल्पना जी अपने माता–पिता की इकलौती संतान होने के कारण बड़े लाड़–प्यार से पाली गई। वह एक स्थानीय नेता की पुत्री थी एवं बड़ी होकर पढ़–लिख कर शिक्षक बनना चाहती थी परन्तु शादी के बाद उनके सारे सपने चकनाचूर हो गए। कारण ससुराल वालों ने उनका जीना दूभर कर दिया। खुद पति भी उनको बहुत सताते थे। फिर भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और अपने भाई को व्यापार में स्थापित करके ससुराल छोड़ कर आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर में रहने चली आई। श्रीमती कल्पना जीवन में किस्मत अत्यधिक महत्त्वपूर्ण मानती है उनकी बचपन की एक राखी बहन बारां में ही रहती है जिनसे अभी तक रिश्ता कायम है एवं कभी–कभार बातचीत होती रहती है। उनके जीवन में अत्यधिक पीड़ा तब हुई जब इनके पिताजी अचानक हार्ट–अटैक से चल बसे। कल्पना जी कहती है कि अब तो जीवन में एक ही सपना है जिसे सत्य करना है, वह है अपने ससुराल वालों को कानूनन सज़ा दिलवाना।

घृणा करना शैतान का कार्य है, क्षमा करना मनुष्य का धर्म है, प्रेम करना देवताओं का गुण है।

प्रश्नावली – 2 :

वृद्धाश्रम वासी नाम : **श्री प्रदीप वेरणेकर** उम्र : 57
मूल निवासी : मुम्बई आनन्द वृद्धाश्रम में प्रवेश : 23 मार्च, 2012

श्री प्रदीप अभी की तरह ही बचपन में ही हंसमुख स्वाभाव के होकर खुश रहते थे। वह बड़े होकर अच्छे कारोबारी बनना चाहते थे लेकिन बदकिस्मती से उनका सपना पूर्ण नहीं हो सका। इसका कारण वह किस्मत को मानते है। उनके अनुसार भाग्य ने उनके साथ क्रूरता कर दी थी और वह जीवन में शारीरिक रूप से ऐसे लाचार हुए कि कोई भी सपने पूर्ण नहीं कर पाए। उनके अब कोई पुराने मित्र नहीं बचे हैं लेकिन यहीं आनन्द वृद्धाश्रम में कुछ महीने पहले ही गुज़र गए निवासी श्री विवेकानन्द जी से अच्छा याराना था। उनको काफी मिस करते हैं। प्रदीप जी अभी भी एक सपना है कि काश वह शारीरिक रूप से सक्षम होकर आत्म–निर्भर हो जाए लेकिन शायद यह एक सपना ही बन कर रह जाए क्योंकि वह पूर्णतः बिस्तर पर ही रहते हैं।

वृद्धाश्रम वासी नाम : **श्री अनिल मेहरा** उम्र : 64
मूल निवासी : इटानगर (असम) आनन्द वृद्धाश्रम में प्रवेश : 26 जून, 2015

श्री अनिल मेहरा जी याद करते हैं कि वह बचपन में 10–11 वर्ष की उम्र तक खुश व सुखी थे परन्तु उसके पश्चात् घरेलू व वित्तीय समस्याओं से घिर गए। उनकी बड़ी इच्छा थी कि बड़े होकर अच्छे ठाठ–बाट से जीवन गुज़ारें, बड़े घर, बड़ी गाड़ी आदि चलाएं, अच्छा खाएँ–पिएँ परन्तु उनके ये सपने सच नहीं हो पाए। मात्र 25 प्रतिशत इच्छाएँ पूरी हुईं। इसका कारण वह किस्मत को मानते हैं। साथ–ही–साथ उनके पिताजी की प्राइवेट नौकरी थी। क्योंकि पिताजी के समय–समय पर ट्रांसफर होकर अन्य शहर जाने के कारण परिवार ढंग से सेटल नहीं हो पाया और अनिल जी की पढ़ाई अधूरी रह गई एवं परिवार वित्तीय रूप से मजबूत नहीं हो पाया। अनिल जी ज्यादा मित्रता रखने में विश्वास नहीं रखते हैं क्योंकि सब लोग अच्छे मन के नहीं होते हैं उनका बचपन का एक मित्र बिहार से है एवं अभी भी सम्पर्क में है। इस उम्र में अनिल जी का अब एक मात्र सपना है कि वह अपने पुत्र को कामयाब देखने चाहते हैं ताकि वह उनके अंधूरे सपने पूर्ण कर पाएं।

वृद्धाश्रम वासी नाम : **श्री जीतलाल गोयल** उम्र : 70 वर्ष
मूल निवासी : उल्हासनगर, थाणे (महा.) आनन्द वृद्धाश्रम में प्रवेश : 15 नवम्बर, 2017

मेरा बचपन अच्छा ही रहा। सपना यह था कि अच्छा इंसान बनना और अच्छा कारोबारी बनना क्योंकि हम बहुत साधारण से परिवार से थे। अपने पुत्र को ढंग से सेटल करवा दिया है यही सपना पूरा हो गया है। अब कुछ बाकी नहीं। जीवन में सफलता या असफलता के पीछे मेहनत व तकदीर दोनों का हाथ होता है। जीवन में कोई विशेष मित्र भी रहे हैं। पड़ोसी दुकानदार थे लेकिन अब सम्पर्क में नहीं हैं क्योंकि यहाँ उदयपुर में रह रहे हैं।

वृद्धाश्रम वासी नाम : **श्रीमती ईश्वरी देवी** उम्र : 78
मूल निवासी : हैदराबाद आनन्द वृद्धाश्रम में प्रवेश : 9 मई, 2014

ईश्वरी देवी याद करती है कि बचपन में वह और 5 भाइयों के साथ अत्यन्त खुश रहते थे। खूब सारी मस्ती और खेल खेलते थे। पढ़–लिख कुछ बनने की बड़ी इच्छा थी लेकिन 8 वीं पास के बाद दादाजी ने आगे पढ़ाने से मना करवा दिया तो सारे सपने और अरमान अधूरे रह गए। जब तक वह दादा–दादी के साथ थी तब बहुत ही अच्छे दिन थे। उनके गुज़रने के बाद भाई–भाई का व्यवहार ईश्वरी देवी के प्रति अच्छा नहीं रहा। बहरहाल, अब आनन्द वृद्धाश्रमें में अच्छे से सेटल हैं एवं अत्यन्त प्रसन्नता के साथ जीवन चल रहा है।

जो साक्षात्कार कुछ एक वृद्धों से लिया गया उसमें एक बात स्पष्ट उभर कर आई कि ज्यादातर लोग बचपन में खुश थे, किसी प्रकार अभाव अथवा भय का कोई कारण नहीं था। लेकिन उम्र बढ़ने के साथ ही जीवन की वह सहज प्रवृत्ति गायब सी होती गई। कुछ लोग (पुरुष) कुछ बड़ा हासिल करना चाहते थे मगर सबको बदकिस्मती की मार झेलनी पड़ी। लगभग आधी स्त्रियों में कुछ महत्त्वाकांक्षा की भावना थी लेकिन ज्यादातर को असहयोग के चलते कोई विशेष कामयाबी हासिल नहीं हुई। और इस वक्त की बात करें तो यहाँ सभी लोगों को आनन्द वृद्धाश्रम में तो सचमुच आनन्द ही आनन्द है और सारे वृद्ध अपने बचपन की पुनरावृत्ति को जीते से लग रहे हैं।

9 वर्षीय बालक के मोतियाबिंद का सफल ऑपरेशन

बागौर जिला भीलवाड़ा (राज.) निवासी 9 वर्षीय बालक रणजीत कुमार पुत्र श्री भेरूलाल रेगर को बचपन से ही "डेवलपमेंटल केटरेक्ट" यानी आँखों में मोतियाबिंद हो गया था। बहुत छोटा था तो नार्मल खेलता था तब तो माँ–बाप को कुछ असामान्य नहीं लगा लेकिन जब रणजीत तीसरी कक्षा में बोर्ड पर लिखा नहीं पढ़ पाने की शिकायत करने लगा तो माँ–बाप ने उसका इलाज करवाने की ठानी। उन्होंने कई स्थानीय डॉक्टरों व अस्पतालों से सलाह ली और उन्हें बताया गया कि बच्चे की दोनों आँखों में मोतियाबिंद हो गया है जिसका ओपरेशन करना होगा। जब ऑपरेशन की कीमत की बात हुई तो भेरूलाल को अलग–अलग अस्पतालों ने काफी भारी–भरकम खर्चा बताया जिसे वह वहन नहीं कर सकते थे। फिर उन्हें अपने परिजनों के माध्यम से तारा नेत्रालय, उदयपुर की जानकारी मिली तो रणजीत को यहाँ ले आए। रणजीत की दि. 26.10.2017 तारा नेत्रालय के वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ (श्रीमती) डॉ. लीना दवे ने जाँच की तथा बाईं आँख (जिसमें नहीं के बराबर दृष्टि बची थी) का तुरंत ऑपरेशन करने का निर्णय लिया। अगले ही दिन सर्जरी की जो कि सफल रही तथा मरीज को स्पष्ट दिखाई देने लगा तथा दाईं आँख का ऑपरेशन लगभग डेढ़ महीने बाद करने की योजना है। डॉ. लीना दवे इस सर्जरी से स्वयं संतुष्ट हैं हालांकि उनको इस तरह के केस रूटीन में नहीं आते हैं क्योंकि सामान्यतया यह समस्या सिर्फ उम्र–दराज लोगों की ही होती है। 9 वर्षीय बालक रणजीत अपनी दृष्टि पुनरू पाकर अति प्रसन्न है। उसके पिताजी श्री भेरूलाल रेगर ने कहा कि इस पूर्णतः निःशुल्क ऑपरेशन के लिए वह तारा के डॉक्टरों, उनकी टीम, तारा संस्थान तथा संस्थान के दान–दाताओं के हृदय से ऋणी हैं व उनकी मंगल कामना करता है। श्री भेरूलाल का कहना है कि वह तारा संस्थान के मानवीय कल्याण के कार्यों का अपने गाँव व आसपास में स्वयं प्रचार–प्रसार भी करेंगे।

तारा नेत्रालय, दिल्ली के लिए उत्सव का समय

8.11.2017 : तारा नेत्रालय की दिल्ली इकाई द्वारा 11,000 (ग्यारह हजार) नेत्र मोतियाबिंद ऑपरेशन को पूरा करने की उपलब्धि पर, डॉ. जयदीप धामा, डॉ. पूजा धामा और उनकी चिकित्सा सहायता टीम ने साथ मिलकर एक मील का पत्थर हासिल करने पर केक काट कर आनंद उत्सव मनाया।

डॉ. लीना दावे ने तारा नेत्रालय में 10,000 ऑपरेशन पूर्ण किए

21.11.2017 : तारा नेत्रालय, उदयपुर में उनके कार्यकाल के दौरान 10,000 (दस हजार) मोतियाबिंद आँखों के ऑपरेशन की उपलब्धि हासिल करने पर तारा परिवार द्वारा वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉ. लीना दवे को सम्मानित किया। इस अवसर पर तारा संस्थान की संस्थापक–निदेशक श्रीमती कल्पना गोयल, सीईओ श्री दीपेश मित्तल, डॉ. जी एल कुमावत, डॉ. सुबोध सराफ और डॉ. स्वाती जैन के साथ–साथ तारा नेत्रालय, उदयपुर के समस्त चिकित्सा कर्मचारी उपस्थित थे।

1 ऑपरेशन सहयोग राशि रु. 3000/–

17 ऑपरेशन सहयोग राशि रु. 51000/–

कमजोर वह नहीं है जिसे कमजोर कहा जाता है, बल्कि वह है जो अपने को कमजोर समझता है।

आनंद वृद्धाश्रम में जनचेतना महिला समिति की भोजन महाप्रसाद सेवा सौजन्य

8.11.2017 : तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा संचालित आनंद वृद्धाश्रम में समय–समय पर अनेक सेवा–भावी व्यक्ति, परिवार, संस्थाएं तथा कम्पनियां भोजन महाप्रसाद सेवा का आयोजन रखती हैं जिसमें कई बार सम्बंधित सौजन्यकर्ता स्वयं उपस्थित होकर लगभग 45–50 बुजुर्गों को अपने हाथों से भोजन परोसते हैं। इसी सिलसिले में गत दिनों जनचेतना महिला समिति, उदयपुर के सदस्यों ने ऐसा ही एक आयोजन रखा जिसमें समिति सदस्यों श्रीमती केसरदेवी बापना, एवं श्रीमती सुशीलाजी ने स्वयं उपस्थित होकर बुजुर्गों को भोजन कराया।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)

01 वर्ष - 60,000 रु.	06 माह - 30,000 रु.	01 माह - 5,000 रु.

तारा संस्थान के रविन्द्र नाथ गौड़ आनन्द वृद्धाश्रम इलाहबाद का 1 वर्ष संपन्न

21.11.2017 : तारा संस्थान के इलाहाबाद स्थित ''रवीन्द्र नाथ गौड़ आनंद वृद्धाश्रम'' के प्रथम वर्ष सम्पन्न होने के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम जैसे : सुन्दर काण्ड पाठ, बजरंग पाठ, हनुमान चालीसा पाठ, तथा हवन – आरती आदि का आयोजन किया गया। इस आयोजन में तारा संस्थान के लगभग 50 अतिथि उपस्थित थे। अंत में श्रीमती गौड़ के सौजन्य से भोजन प्रसाद की व्यवस्था रखी गयी।

एक बुजुर्ग 5000/- प्रतिमाह, 5 बुजुर्ग 25000/- प्रतिमाह, 10 बुजुर्ग 50000/- प्रतिमाह

गौरी योजना :

पति ने ऐसा पीटा कि आँखे चली गई

आँखों से लाचार विनीता सेन अपनी माँ के सहारे पीहर में रहती हैं। घर में उसके 1 एक पुत्र के अलावा 4 बहनें, 1 भाई है जबकि पिताजी एक दुर्घटना के बाद मानसिक रूप से विचलित होकर गुमशुदा हो गए। घर के सब लोगों का सारा खर्चा विनीता की माँ ही उठाती है। विनीता के पति के पास कुछ स्थायी काम नहीं था, वह छुट–पुट इधर–उधर काम लेते और छोड़ देते थे। इस पर जब विनीता टोकती तो वह उनकी पिटाई करता था एक बार 2003 में इतना बुरी तरह से पीटा सिर में चोट लगने से 2005 आते–आते आँखों से दिखाई देना बंद हो गया। ऊपर से इनके पति ने इन्हें घर से निकाल दिया तो वह अपनी बच्चे को लेकर माँ के पास पीहर चली आई। विनीता के अनुसार माँ जैसे–तैसे सब लोगों का खर्चा उठा पाती है लेकिन कब तक?विनीता को अपने पुत्र का भविष्य संवारने की बड़ी चिन्ता है ताकि वह अपने पैरों पर खड़ा हो जाए। विनीता की आर्थिक स्थिति गंभीर है, उसके इलाज में हर माह 2000 लगता है ऊपर से बच्चे की पढ़ाई का खर्चा। जब तारा संस्थान ने गौरी योजना के अन्तर्गत मासिक 1000/– पेंशन जारी की तो काफी सहायता मिली है। **विनीता की प्रार्थना है कि दानदाता बच्चे के बड़े होने तक मदद जारी रखे। धन्यवाद!**

मात्र 1000 रु. में एक विधवा महिला को सहयोग दें

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)

01 वर्ष – 12000 रु.	06 माह – 6000 रु.	01 माह – 1000 रु.

तृप्ति योजना :

इस जमाने में बहू-बेटे हमें क्या साथ रखेंगे

वृद्ध दम्पति श्री ढोला व श्रीमती सुनी अति वृद्ध, शरीर, आँखों से लाचार यह ग्रामीण दम्पति स्वयं की उम्र भी नहीं बता पाते। दोनों एक मिट्टी के झोपड़ीनुभा कमरे में अकेले रहते है। 3 बेटे हैं पर वे अपनी–अपनी दाल रोटी हेतु इधर–उधर मजदूरी में व्यस्त हैं एवं अलग–अलग रहते हैं। जब उनसे पूछा गया कि बेटों के साथ क्यों नहीं रहते तो जवाब मिला कि आजकल के जमाने में कहाँ हमें साथ रखती हैं। ये वृद्धा चूल्हे पर रोटी दाल बना देती है और दोनों खा लेते हैं। बीमारी आदि में ग्रामीण पड़ोसी कोई मदद कर दें तो ठीक वरना जैसे–जैसे जीवन काट रहे हैं। अगर तारा संस्थान इनको तृप्ति सहायता बंद कर दे तो भूखे ही सोएंगे ऐसा इनका हाल है। संस्थान की सहायता से इन्हें दो वक्त की रोटी–दाल इत्यादि की व्यवस्था तो हो रही है वरना इस बुढ़ापे में हाथ–पैर भी मजदूरी लायक नहीं बचे। अत्यन्त सरल स्वभाव को यह दम्पति – **ढोला एवं सूनी तारा के दान दाताओं के आभारी हैं एवं उन्हें लम्बी उम्र की दुआ देते हैं।**

मात्र 1500 रु. में बुजुर्ग खाद्य सामग्री हेतु सहायता करें

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)

01 वर्ष – 18000 रु.	06 माह – 9000 रु.	01 माह – 1500 रु.

तारा संस्थान से मदद को इच्छुक कुछे जरूरतमंद लोगों के पत्र :

सेवा में,

संस्थापिका महोदया जी

विषयः "संस्था में रहने की अनुमति लेने के सम्बन्ध प्रार्थना पत्र"

महोदया,

निवेदन है कि मैं वृद्ध हूँ। मेरी आयु 70 वर्ष है मेरे पति सरकारी कर्मचारी थे। काफी समय पहले वह रिटार्मेंट हो चुके थे अभी डेढ़ साल पहले उनकी मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु के बाद मेरे तीनो बेटो ने मुझे अपने पास रखने से मना कर दिया है तो मैं इस संकट की घड़ी में कहाँ जाऊँ। मैंने यह सुना है कि आपकी संस्थान बेसहारा लोगों को सहारा देती है। तो मैं बेसहारा हूँ मेरा कोई सहारा नहीं है इसलिए मैं तारा आनंद आश्रम में आना चाहती हूँ।

अतः आपसे सादर अनुरोध है कि आप आपके तारा आनंद आश्रम में मुझे सहारा देने की कृपा करें।

दिनांक: 10/8/2017

सन्तोष देवी मित्तल
8239328450

09549399993
उदपुर

Date 31.7.2017

सेवा

तारा संस्था उदपुर

विषय गरीब आमदमी बुलाने हेतु

नम्र निवेदन है कि मैं एक गरीब बुढा आदमी हु जो कि आगे पीछे कोई देखने वाला नही है, इसलिए मैं आपकी संस्था मे आना चाहता हु इसलिए मुझे आपकी संस्था मे आने की आज्ञा दिराये

1. मेरी उम्र 70 वर्ष की है
2. पैरो से विकलांग
3. चलना फिरना नही होता है

भवदीय

गणेशमल S/O केसाराम प्रजापत
270 मातालक्ष्मीनगर मिशन स्कूल के पास भया गवरोड
पाली मारवाड
राजस्थान
Mo 9461391569

397
23/8/17

विवाह की 49वीं वर्षगांठ पर बधाई

तारा संस्थान से जुड़े भामाशाह दम्पति श्रीमती सुलोचना मित्तल एवं श्री भीम सेन मित्तल ने अपना जन्मदिवस 16 नवम्बर, 2017 को तथा अपने विवाह की 49वीं वर्षगांठ सपरिवार बड़े उल्लास के साथ 29 नवम्बर, 2017 को मनाई।

सेवा में,

श्रीमान प्रधानाचार्य जी
आनन्द वृद्धआश्रम
प्लाट न0 236 सैक्टर 6
हिरण नगरी, उदयपुर (राजस्थान)

विषयः वृद्धाश्रम में दाखिला लेने बारे।

श्रीमान जी,

सविनय निवेदन है कि मैं 72 साल का सीनियर सीटिजन हूं तथा बच्चों के साथ मकान न. 320 डिफैन्स कालोनी, हिसार में रहता हूं। मैं बच्चों के परिवार के साथ रहकर प्रसन्न नहीं रहता क्योंकि मेरी धर्मपत्नी स्वर्गवासी हो चुकी है तथा मेरे घर में कहा सुनी रहती है तथा मेरा घर पर बच्चों पर कंट्रोल नहीं रहा।

अतः मुझे आनन्द वृद्धाश्रम में दाखिला दिया जाये। मैं अनुरोध करूंगा मैं आश्रम के सभी नियमों का पालन करता रहूंगा। किसी प्रकार की शिकायत का मौका नहीं दूंगा।

धन्यवाद।
26.10.17

भवदीय
Darshan kumar
दर्शन कुमार 9729721925
320, डिफैन्स कालोनी,
एच.ए.यू. गेट न. 4, के सामने
हिसार, हरियाणा।

तारा संस्थान और भामाशाहों का फरीदाबाद में स्नेह-मिलन

26.11.2017 : 'ओम दीप आनंद वृद्धाश्रम' फरीदाबाद के लिए रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली साउथ सेंट्रल द्वारा दानित सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया जिसके उपरान्त वहां पर एक स्नेह–मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस शुभ अवसर पर निम्न अतिथिगण उपस्थित थे:

श्रीमती पुष्पा और श्री एन.पी. भार्गव सा. (समाजसेवी और उद्योगपति, दिल्ली और मुख्य संरक्षक–तारा संस्थान), श्रीमती नीता और श्री राहुल भार्गव (समाजसेवी, दिल्ली), श्रीमती शशि और श्री मुकेश अग्रवाल (समाजसेवी, फरीदाबाद), श्रीमती दीपा मल्होत्रा और श्री ओम प्रकाश पेरिस, फ्रांस से, श्री मोहन सिंह भाटिया (प्रमुख–भाटिया सेवक समाज, फरीदाबाद) और रोटरी क्लब दिल्ली (दक्षिण केन्द्रीय) के समस्त के सदस्यगण।

रविवार को ''ओम दीप आनंद वृद्धाश्रम'' फरीदाबाद में आयोजित समारोह में करीब एक सौ मेहमान उपस्थित थे। यह समारोह श्री दीपेश मित्तल (मुख्य कार्यकारी अधिकारी–तारा संस्थान) और श्रीमती कल्पना गोयल (अध्यक्ष एवं संस्थापक–तारा संस्थान, उदयपुर) द्वारा संचालित किया गया।

अहमदाबाद के भामाशाह श्री महावीर प्रसाद साहेवाल जी ने 75वां जन्म-दिन तारा संस्थान में मनाया

23.11.2017 : अहमदाबाद के उद्यमी (फर्म: वीरू टेक्सटाईल मिल्स प्रा. लि. अहमदाबाद) व समाजसेवी श्री महावीर प्रसाद साहेवाल अपने तीनों पुत्रों क्रमशः श्री संतोष, श्री सुरेश, श्री नरेश साहेवाल, तीनों पुत्र–वधुओं तथा पौत्र–पौत्रिओं के साथ तारा संस्थान के आनंद वृद्धाश्रम पहुंचे, वहां के निवासियों से मिले, तथा अपना 75वां जन्म–दिन यहीं मनाया। तत्पश्चात उन्होंने वृद्धाश्रम–वासियों हेतु भोजन सौजन्य किया। गौरतलब है कि श्री महावीर प्रसाद साहेवाल ने आनंद वृद्धाश्रम के निर्माणाधीन नवीन परिसर भवन में एक कमरे हेतु दान–सहयोग दिया है।

आपत्ति होने पर जो उसका प्रतिकार कर लेता है वही बुद्धिमान है।

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर :

तारा संस्थान में विश्व अनाथ दिवस पर अनूठा आयोजन

13.11.2017 : विश्व अनाथ दिवस के अवसर पर तारा संस्थान, उदयपुर और राजस्थान पत्रिका, उदयपुर तथा शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, सेक्टर –9, उदयपुर ने संयुक्त रूप से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रोग्राम का विषय आधुनिक समय के ''ऑनलाइन गेम'' बनाम ''पारंपरिक खेल'' था। विद्यालय के बच्चों कंचे, लट्टू, सितोलिया, रुमाल–झपट्टा, गिली–डंडा और टायर–रेस जैसे खेल प्रस्तुत किये। इन खेलों को देख न केवल बच्चों को बल्कि वहां उपस्थित बड़े–बुजुर्ग भी आनंदमई होकर पुरानी यादों में खो गए। कार्यक्रम के दौरान दो बच्चों के जन्म दिवसों को 'लड्डू' काट कर मनाया गया। अंत में सभी प्रतिभागियों और अन्य बच्चों को पुरस्कृत किया गया और उपहार दिए गए। इस मौके पर ब्लॉक प्राथमिक स्कूल शिक्षा अधिकारी श्री वीरेन्द्र यादव, रोटरी क्लब के पूर्व गवर्नर श्री निर्मल सिंघवी, समाज कल्याण विभाग के उप निदेशक श्री गिरीश भाटनगर और श्री प्रवीण पानेरी, तारा संस्थान के संस्थापक–अध्यक्ष श्रीमती कल्पना गोयल, सीईओ श्री दीपेश मित्तल और राजस्थान पत्रिका के संपादक–प्रभारी श्री आशीष जोशी उपस्थित थे। यह कार्यक्रम सुश्री चित्रा माथुर और श्रीमती सोनाली सोलंकी द्वारा आयोजित किया गया। अंत में स्कूल की प्रधानाध्यापिका ने धन्यवाद प्रस्तुत किया।

मस्ती की पाठशाला :

कच्ची बस्ती के बच्चों हेतु कक्षा का एक दृश्य

विनम्र अपील :

जैसा कि आपको विदित है तारा नेत्रालय (उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद) जरूरतमंद निर्धनों हेतु आँखों के मोतियाबिन्द के मुफ्त इलाज करते हैं। इसी प्रक्रिया में हमें अनेक महंगी मशीनों व यंत्रों की आवश्यकता पड़ती है वर्तमान में निम्न मशीनों की तुरंत आवश्यकता है, कृपया मुक्तहस्त सहयोग करें।

HORIZONTAL AUTOCLAVE

Horizontal Autoclaves are smart investment for hospitals and laboratories, where large volume of sterilization is required. These units efficiently meet stringent sterilization requirements and well suited for sterilizing hospital dressings and surgical instruments, rubber and plastic goods, glassware and utensils etc.

Cost of this Machine : Rs. 3,18,000/-

YAG LASER

In ophthalmology, lasers are used to photo coagulate, cut, remove, shrink and stretch ocular tissues. There are numerous ophthalmic applications for YAG lasers. The most common applications are Posterior capsulotomy, Anterior capsulotomy, Peripheral iridotomy, Vitreolysis, Corneal stromalreinforcement.

Cost of this Machine : Rs. 9,00,000/- (Taxes Extra)

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

- 17 ऑपरेशन – 51000 रु.
- 09 ऑपरेशन – 27000 रु.
- 06 ऑपरेशन – 18000 रु.
- 03 ऑपरेशन – 9000 रु.
- 01 ऑपरेशन – 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर – 151000 रु.
चश्मा जाँच – चश्मा वितरण दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर – 21000 रु.

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपनी करुणा - सेवा भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) .... सहयोग मद/उपलक्ष्य में/स्मृति में ....
संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये .... का केश/चैक/डी.डी. नम्बर ....
दिनांक .... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।
मेरा पता (नाम) .... पिता (नाम) ....
निवास पता ....
लेण्ड मार्क .... जिला .... पिन कोड .... राज्य ....
फोन नम्बर घर/ ऑफिस .... मो.नं. .... ई–मेल ....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान – सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

नेत्रालय मासिक अपडेट्स :

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

दानदाताओं के सौजन्य से माह नवम्बर – 2017 के मध्य आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय, उदयपुर में आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
15.11.2017	श्री मनोज जैन, निवासी – सतना (म.प्र.)	171	13	29	41
16.11.2017	श्री नरेश कुमार जैन, निवासी – मलाड (वेस्ट), मुम्बई	10 ऑपरेशन			
20.11.2017	डॉ. सरिता जैन – डॉ. अजय जैन, निवासी – अरिहंत हॉस्पीटल, सीकर (राज.)	192	18	34	68
21.11.2017	श्रीमती कमला देवी – श्री मदन लाल चौधरी, निवासी – कावेसर, थाने (महा.)	150	17	31	54
25.11.2017	सबका भला हो सब सुख पाये	184	08	32	42

तारा नेत्रालय, दिल्ली में आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
01.11.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	190	14	41	102
08.11.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	212	17	52	117
15.11.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	226	19	61	98
27.11.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	213	17	64	97

तारा नेत्रालय, मुम्बई में आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
06.11.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	130	12	27	41
13.11.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	125	10	32	39
20.11.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	87	08	24	28
27.11.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	100	11	23	40

तारा नेत्रालय, फरीदाबाद में आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
09.11.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	111	12	17	34
11.11.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	104	09	16	21
14.11.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	74	08	14	28
16.11.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	98	09	14	29
27.11.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	81	08	11	21

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविरों की झलकियाँ

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
03.11.2017	जय श्री कृष्णा	आगरा पेठे वाला, दिल्ली	671	28	328	634
04.11.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	लसाड़िया, उदयपुर	134	12	27	64
04.11.2017	गुरुबचन कौर	बिन्दापुर, दिल्ली	590	31	310	526
05.11.2017	अग्रवाल एसोसिएट्स प्रोमोटर्स् लि.	बागपत (यू.पी.)	598	21	348	543
07.11.2017	श्रीमती प्रेम जी निझावन, निवासी - दिल्ली	सत्या एसोसिएट, दिल्ली-59	365	14	178	335
08.11.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	डूंगरपुर (राज.)	194	17	39	141
12.11.2017	राजस्थान क्लब (देश की प्रमुख सामाजिक एवम् सांस्कृतिक संस्था)	किराड़ी, दिल्ली	480	16	430	450
12.11.2017	प्रधान हार्डवेयर, आर्य नगर, लोनी, गाजियाबाद	लोनी, गाजियाबाद	783	32	365	732
12.11.2017	श्री गोकुलम, पश्चिम विहार, दिल्ली-87	अशोक विहार फेज-2, दिल्ली	673	28	364	589
17.11.2017	वर्धमान प्लाजा	नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-19	610	16	370	568
18.11.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	शिसवी, उदयपुर (राज.)	173	10	39	89
18.11.2017	हर शिव श्री ट्रस्ट, लन्दन, इंग्लैण्ड	सियाल खेड़ा, हाथरस (यू.पी.)	986	61	510	903
19.11.2017	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	फतेहनगर, उदयपुर (राज.)	115	07	23	46
19.11.2017	अग्रवाल सभा शालीमार बाग (पंजी.) दिल्ली	हैदरपुर, तेलंगाना	834	38	410	789
22.11.2017	जय श्री कृष्णा	तारावट, उदयपुर	271	19	83	192
25.11.2017	जय श्री कृष्णा	शकुरबस्ती, दिल्ली-34	270	08	167	256
26.11.2017	मनोहर देवी बिन्दल चेरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) दिल्ली	इन्द्रपुरी, नई दिल्ली-12	610	20	380	450
26.11.2017	श्रीमती सुषमा जैन - श्री सत्यभूषण जैन, दिल्ली	प्रेमपुरी, मेरठ (यू.पी.)	979	52	415	910
30.11.2017	जय श्री कृष्णा	बेगमपुर, दिल्ली-86	612	09	370	590
30.11.2017	हीरालाल मोहन देवी रिटा गुप्ता मेमोरियल ट्रस्ट, नई दिल्ली	प्रताप नगर, दिल्ली-07	355	09	210	341

स्व. श्री पोण्टी चड्डा

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डाकी प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
11.11.2017	सचखण्ड नानक धाम (रजि.), गुरुद्वारा रोड, इन्द्रापुरी, लोनी, गजियाबाद	531	38	306	489

इस शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं।

मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

बुद्धिमान आदमी को जितने अवसर मिलते हैं उससे कहीं ज्यादा वह स्वयं निर्मित कर लेता है।

तारा संस्थान में पधारे अतिथि महानुभावों का स्वागत सम्मान

श्री गिरिराज सिंह व परिजन
नागौर (राज.)

श्री एवं श्रीमती मोहन कुकरेजा
मुम्बई

श्रीमती अनिता शाह व परिजन
झांसी (उ.प्र.)

श्री जितेन्द्र कुमार गुप्ता व परिजन
अलवर (राज.)

श्री एवं श्रीमती मंजु गोयल
गाजियाबाद (उ.प्र.)

श्री राजेन्द्र गुलाटी के साथ तारा परिवार
बरेली (उ.प्र.)

"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"

श्री जे. एन. गुप्ता
फरीदाबाद (हरियाणा)

श्री त्रम्बकभाई शिवलालभाई फेफर
मोरबी (गुज.)

श्री मनोजभाई त्रम्बकभाई फेफर
मोरबी (गुज.)

श्री कांतिलालभाई हंसराजभाई पटेल
मोरबी (गुज.)

श्री एवं श्रीमती युवराज छाबड़ा
पुणे

श्री घनश्याम गर्ग - श्रीमती गीता देवी गर्ग
जयपुर (राज.)

श्री विद्या रतन गोयल
अम्बाला (हरियाणा)

श्री जयंतीभाई - श्रीमती नयना बेन पटेल
वलसाड़ (गुज.)

श्री विपिन कुमार गोयल
मथुरा (उ.प्र.)

श्री विनोद जी
लासूर, औरंगाबाद

श्री उगमा राम चौधरी
सांगली (महा.)

सूरत (गुज.)

श्रीमती शारदा मल्होत्रा
चण्डीगढ़

सूरत (गुज.)

श्री राम गोविन्द बेडेकर
नागपुर (महा.)

सूरत (गुज.)

Thanks :

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Ram Kumar - Mrs. Maya Rani
Bharatpur (Raj.)

Lt. Mr. Jagdish Chandra (Daram Puri wale)
Mrs. Kiran Devi Khandelwal, Indore (MP)

Mr. Anil - Mrs. Madhu Jain
Ludhiana (PB)

Lt. Mr. Megraj Roda - Lt. Mrs. Dhapi Bai Roda
Hyderabad

Dr. Alok Singh - Dr. Bhawana Singh
Ujjain (MP)

Mr. Ram Ratan Sarda - Mrs. Tulsi Devi Sarda
Nagpur (MH)

Mr. Bal Krishna - Mrs. Indu Bai Jumde
Nagpur (MH)

Mr. Jayanti Bhai Patel - Mrs. Nayana Ben
Valsad (Guj.)

Mr. Divakar - Mrs. Ranjana Tembe
Indore (MP)

Mr. Madan Lal - Mrs. Kamla Devi Choudhary
Waghbil - Thana (MH)

Pro. Mr. Tara Chandra - Mrs. Anila Gupta
Agra (UP)

Dr. Ram Avtar - Mrs. Kamal Prabha Baga
Firozabad (UP)

Mr. Ghanshyam - Mrs. Geeta Devi Garg
Jaipur (Raj.)

Mr. Bhupendra Chandu Lal - Mrs. Inda B. Desai
Kandivali (W), Mumbai

Mr. Nand Kishore - Mrs. Mangla Bajaj
Bikaner (Raj.)

Mr. Manad Chand - Mrs. Seeta Devi Goyal
Jaipur (Raj.)

Mr. Kishore Bhai - Mrs. Rupal Ben
Baroda (Guj.)

Mr. Kanti Lal Jain - Mrs. Shakuntla Jain
Udaipur (Raj.)

Lt. Mr. Tillumal - Mrs. Bhagwanti Devi Digwani
Satna (MP)

Mr. Gurdeep Singh
Delhi

Lt. Mr. Sampat Mal
Chordia

Mr. Krishna Kant
Agnihotri, Katni (MP)

Dr. Snehlata Agnihotri
Katni (MP)

Mr. Jai Poddar
Surat (Guj.)

Mr. Bal Krishna Bhai
Govind Bhai,
Adroja, Morbi (Guj.)

Mrs. Hemlata Ben Adroja
Morbi (Guj.)

Mr. Vimal Poddar
Surat (Guj.)

Mr. Satya Narayan Gupta
Neem Ka Thana,
Sikar (Raj.)

Mrs. Manju Gupta
Neem Ka Thana
Sikar (Raj.)

Mrs. Anila Bishnoi
Hisar (HR)

Mr. Ashok Sharma

Mr. Praveen Bhai
Morbi (Guj.)

Mr. Praveen Bhai
Adroja,
Morbi (Guj.)

Mrs. Sharda Ben
Adroja,
Morbi (Guj.)

Lt. Mr. Champalal Kochar
Surat (Guj.)

Mr. Kailash Vasudev
Bhavsar - Malad (W)
Mumbai

Lt. Mr. Ganesh Lal
Chandel, Jaipur (Raj.)

Mr. Dharmveer Mahavar
Calcutta

Mr. B.C. Kochhar
Jalandhar (PB)

Mr. Vijay Vaidya
Indore (MP)

Mr. Govind Vaidya
Indore (MP)

Lt. Mrs. Usha Bansal
Agra

Miss. Bihi Gupta
Mayur Vihar, New Delh

Mr. Ankit Gupta
Jaipur (Raj.)

Mrs. S.R. Mehta
Powai, Mumbai

Mr. Narbada Prasad
Gupta, Katni (MP)

Mrs. Neelam Gupta
Katni (MP)

दूसरों को खुशी देने में ही अपनी खुशी का रहस्य छिपा हुआ है।

Tara
बुजुर्गों के लिए...

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation
Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

TARA NETRALAYA - Delhi

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720, Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 59
Phone No. 011-25357026, +91 9560626661

TARA NETRALAYA - Mumbai

Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Meera Road, Thane - 401107 (M.S.) INDIA
Phone No. 022-28480001, +91 7821855753

TARA NETRALAYA - Faridabad

Bhatia Sewak Samaj (Regd.), N.H. - 2, Block - D, N.I.T., Faridabad (Haryana) 121001
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

Area Specific Tara Sadhak

Amit Sharma Area Delhi Cell : 07821855747	**Sanjay Choubisa** Area Delhi Cell : 07821055717	**Gopal Gadri** Area Delhi Cell : 07821855741	**Rameshwar Jat** Area Gurgaon, Faridabad Cell : 07821855758	**Kamal Didawania** Area Chandigarh (HR) Cell : 07821855756
Ramesh Yogi Area Lucknow (UP) Cell : 07821855739	**Narayan Sharma** Area Hyderabad Cell : 07821855746	**Vikas Chaurasia** Area Jaipur (Raj.) Cell : 09983560006	**Sunil Sharma** Area Mumbai Cell : 07821855752	**Suresh Kumar Lohar** Area Mumbai Cell : 07821855759
Prakash Acharya Area Surat (Guj.) Cell : 07821855726	**Kailash Prajapati** Area Saurashtra (Guj.) Cell : 07821855738	**Deepak Purbia** Area Punjab Cell : 07821055718	**Pavan Kumar Sharma** Area Bikaner & Nagpur Cell : 07821855740	**Mukesh Gadri** Area Noida, Ghaziabad Cell : 07821855750

'Tara' Centre - Incharge

Shri S.N. Sharma **Mumbai** Cell : 09869686830	Smt. Rani Dulani 10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village, **Kandiwali (W), Mumbai** - 400 101, Cell : 09029643708	Shri Pawan Sureka Ji **Madhubani (Bihar)** Cell : 09430085130
Shri Bajrang Ji Bansal **Kharsia (CG)** Cell : 09329817446	Smt. Pooja Jain **Saharanpur (UP)** Cell : 09411080614	Shri Anil Vishvnath Godbole **Ujjain (MP)** Cell : 09424506021
Lt. Col. A.V.N. Sinha **Lucknow** Cell : 09598367090	Shri Vishnu Sharan Saxena **Bhopal (M.P.)** Cell : 09425050136, 08821825087	Shri Dinesh Taneja **Bareilly (UP)** Cell : 09412287735

Donors Kindly NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers,
Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

Tara Sansthan Bank Account

ICICI Bank (Madhuban)	A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045
State Bank of India	A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank	A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank	A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097
HDFC	A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank	A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India	A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank	A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : punb0874300
Yes Bank	A/c No. 065194600000284	IFSC Code : yesb0000651

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, दिसम्बर - 2017
प्रेषण तिथि - 11-18 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर
समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2015-2017
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपरेशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)	वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन मित्ति
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.	3500 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.	(एक समय)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.	

एक विधवा महिला के बच्चे की शिक्षा हेतु वार्षिक सहयोग - 12000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत आयकर में 50% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
SBI A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166	PNB Bank A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : punb0874300
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097	YES Bank A/c No. 065194600000284	IFSC Code : yesb0000651
HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273	Pan Card No. Tara - AABTT8858J	

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' रात्रि 7:40 से 8:00 बजे
'आस्था भजन' प्रातः 8:40 से 9:00 बजे
'आस्था' रविवार दोपहर 2:30 बजे
'संस्कार चैनल' दोपहर 2:40 से 2:55 बजे

बुक पोस्ट

Tara
बुजुर्गों के लिए...

तारा संस्थान

डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993

Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org,
Website : www.tarasansthan.org